5. नरेश मेहता के काव्य 'महाप्रस्थान' की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6. धर्मवीर भारती कृत कनुप्रिया की संवेदना पर प्रकाश डालिए।

7. 'नई कविता' की महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

8. गोपालदास नीरज के गीतों की भाव संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

9. वीरेन्द्र मिश्र के गीतों में विद्यमान शिल्प सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'मुक्तिबोध' के काव्य में संवेदना और शिल्प का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

11. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के कृतित्व का परिचय देते हुए 'कुआनो नदी' कविता के भाव-सौन्दर्य का विवेचन कीजिए।

12. ''गिरिजा कुमार माथुर के काव्य में लोक जीवन की अभिव्यक्ति हुई है।'' इस कथन का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

13. 'गीत संरचना : स्वरूप और परम्परा' विषय पर एक लेख लिखिए।

MAHD–08

December – Examination 2022

M.A. (Final) Examination

HINDI

(आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा)

Paper : MAHD-08

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) 'नयी कविता' की किन्हीं **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'ब्रह्मराक्षस' कविता की भाव-व्यंजना को संक्षेप में बताइए।

(iii) ''हिम, केवल हिम-
अपने शिव : रूप में
हिम ही हिम अब!''
उपर्युक्त पदबन्ध का भावार्थ लिखिए।

(iv) नरेश मेहता कृत किन्हीं **दो** काव्य रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(v) 'छाया मत छूना मन' काव्य कृति के रचनाकार कौन हैं ?

(vi) 'कुआनो नदी' कविता का प्रतीकार्थ क्या है ?

(vii) धर्मवीर भारती कृत गीति नाट्य शैली में रचित प्रबन्ध काव्य का नाम बताइए।

(viii) 'शिशु भारती', 'बाल भारती' एवं 'बच्चों के बापू' जैसे गीतों की रचना किस कवि ने की ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मैं यहाँ,
व्यक्ति से प्रकृति बनने ही आया हूँ पार्थ
इसीलिए
इस प्रज्ञायात्रा की समस्त भयावहता भी
मुझे विचलित नहीं कर पा रही।
मैं अपने इस प्रज्ञा रूप को
किसी भी मूल्य पर
अपने ही सम्राट रूप के सामने
विवश या
विनत होते नहीं देख सकता था
पार्थ!

भय को निर्भय से
जितना भय लगता है।
उतना किसी से नहीं।

3. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

क्षितिज-अरगनी पीली चूनर झूल रही,
खोयी-खोयी-सी मधुवंती बेला में।
सोया क्यों है तेरा पवन झकोरा-मन
जाग रहे नभ की यशवन्ती बेला में॥
नील झील में डोल रहा है रंगमहल'
पाले बादल वाले सायंकाल का।
जल में सोन-विहग जैसा है खेल रहा
कोई सूरज-फूल गगन की डाल का॥

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

सोना सृजन है क्या
और जागना संहार ?
किंतु जागना चाहोगे ही क्यों ?
जब वह अपने को
मिटा देना है—
और क्या होता है कोई
अपने सपने के सिवा!